गोत्र और मुहब्बत की * इस इलाक़े में नयी नहीं। तीन महीने पहले भी इस इलाक़े में एक * ने मुहब्बत करने की * की थी। और वो भी अपने ही * में। * क्या * ये आप ख़ुद अपनी * से देख लीजिए।

ये * है हरयाणा के जिन्द जिले का और गाँव का नाम है सिंघवाल। वही सिंघवाल जहाँ * जुलाई की रात गाँववालों ने पुलिस की * में एक शख़्स का * कर दिया और पुलिस कुछ नहीं कर पायी। खुद * पुलिस वालों के (लिए) इस गाँव से * बचाकर भागना मुश्किल हो गया था।

मगर अब जिले में एस.पी. और कलेक्टर की मौजूदगी में पूरी * के बाद आयी पुलिस फोर्स ने एक बार फिर इस इलाके का * किया है। और अब पुलिस पहुँची है उस जगह पर जहाँ * रात पुलिस के साथ आए शख़्स को लोगों की * ने जंगली जानवरों की तरह * डाला था। हमला इतना * था कि पुलिस को इतनी * भी नहीं मिली कि वो उस शख़्स की * को अपने साथ वापस ले जाते क्योंकि गाँव के लोग बाकी का * अब उसकी लाश से * करना चाहते थे। जी हाँ, लोगों के दिल में इस * * भरी थी के ख़िलाफ़।

जानते हैं कि ये शख़्स कौन था और इसका * क्या था। इस शख़्स का नाम था वेदपाल और इसका गुनाह ये था कि उसने प्यार करने की * की थी पड़ौसी गाँव की सोनिया नाम की एक ऐसी लड़की से जिससे रिस्ता जोड़ने की * उसे गाँव का क़ानून नहीं देता था। क्योंकि गाँव की पंचायत के * एक ही गोत्र में पैदा हुए सोनिया और वेदपाल के बीच सिर्फ एक ही रिश्ता हो सकता था – भाई और बहन का।

सिंघवाल गाँव के लोगों ने भी वेदपाल और सोनिया के बीच प्यार की बात * होते ही इस * * पंचायत * । दोनों ओर से * सुनी गयीं और * सुना दिया गया। यही कि वेदपाल और सोनिया के बीच रिश्ता नहीं हो सकता। और अगर इन दोनों ने * से भी इस रिश्ते को नाम देने की हिमाक़त की तो इलाके के क़ानून के मुताबिक सज़ा * के लिए * रहें।

चूँकि फ़ैसला पंचायत का था * सोनिया के घरवालों के लिए इसके * जाने का * ही नहीं * था। इसलिए उन्होंने बेटी को समझाया कि वो वेदपाल को हमेशा हमेशा के लिए भूल जाए। सोनिया के घर वालों ने इसी दौरान उसकी दूसरी जगह शादी भी * कर दी। शायद यह सोचकर कि पंचायत के * फ़रमान के आगे अब सोनिया और वेदपाल अपनी हिमाक़त दोहराने की * न करें। मगर ये उनकी एक बहुत बड़ी * थी क्योंकि इसी के बाद सोनिया और वेदपाल वो कर बैठे जिसका उन्हें ज़रा भी * नहीं था। और इसी के बाद पंचायत ने वो फ़रमान जारी कर दिया जिसे सुनकर लोगों की * काँप उठी।

पंचायत ने तो अपना फ़ैसला सुना दिया मगर प्यार पर * किस का * चला है? वेदपाल और सोनिया * हो गये और सबकी मर्ज़ी के खिलाफ़ दोनों ने घर छोड़ने का फ़ैसला कर लिया। वेदपाल और सोनिया * चंड़ीगढ़ जा पहुँचे और वहाँ उन्होंने कोर्ट की * में जाकर शादी कर ली। इसके बाद दोनों * की तरह साथ रहने लगे। ये * था 10 मार्च 2009 का।

धीरे-धीरे यह ख़बर सोनिया के गाँव भी पहुँची और फिर पंचायत के * तक। ज़ाहिर था वेदपाल और सोनिया के इस क़दम ने गाँव के लोगों को * कर दिया। और बस * एक महापंचायत कर ये फ़ैसला कर दिया गया कि गाँव का क़ानून * वाले सोनिया और वेदपाल को मौत की सज़ा दी जाए।

इसी बीच सोनिया के घरवालों ने सोनिया और वेदपाल को ढूँढ़ निकाला और * कर सोनिया को वापस गाँव ले आए। उससे कहा गया कि अब पंचायत और उसका परिवार इस शादी के ख़िलाफ़ नहीं है।

मगर जैसे ही सोनिया सिंघवाल गाँव पहुँची उसे * कर दिया गया। इसके बाद सोनिया के घर वालों ने पंचायत में यह * दी कि सोनिया ने वेदपाल के * में आकर घर छोड़ा था और अब वो घरवालों और गाँव के लोगों की मर्ज़ी से शादी करने के लिए तैयार है।

पंचायत ने * दिखाते हुए सोनिया को माफ़ कर दिया और सोनिया की दूसरी शादी की तारीख़ बाईस जुलाई * कर दी।

सोनिया के घर वालों की ये * वेदपाल को भी पता लग गयी। बस उसने * कोर्ट में अर्ज़ी * कर दी कि उसकी बीवी के घरवालों ने उसे उसकी मर्ज़ी के खिलाफ क़ैद कर रक्खा है।

चूँकि वेदपाल और सोनिया की शादी कोर्ट में हुई थी, * अदालत ने * दिया कि वेदपाल के इस * की जाँच ख़ुद एक वारंट ऑफीसर * पर जाकर करें।

इस तरह बाईस जुलाई की शाम जब सोनिया की शादी हो रही थी हाई कोर्ट के वारंट अफसर सूरजभान वेदपाल को लेकर उसके आरोपों की * ? तशदीक? करने सोनिया के गाँव जा पहुँचे। उनके साथ सुरक्षा के लिए जिन्द जिले की पुलिस भी मौजूद थी। मगर ये लोग जैसे ही सिंघवाल गाँव में * हुए, पुलिस को देखकर गाँव के लोग * उठे।

सोनिया के घर पहुँचकर जब वारंट अफसर ने उसे * किए जाने को कहा तो उसके घर वालों का ग़ुस्सा एकदम से * पड़ा। उन्होंने वारंट अफसर और पुलिस पर * कर दिया।

तो मुहब्बत के दुश्मनों की ये थी * की आज की * ।